वेबसाईट : www.abvp.org पंजिकृत क्रमांक : S-385/1949-50

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद

केंद्रीय कार्यालय- 3, मार्बल आर्च, सेनापती बापट मार्ग, माटुंगा रोड (प.रे.), माहिम, मुंबई - 400016.
दूरभाष :(022) 24306321 / 24378866 फैक्स :24313938 ई-मेल : info@abvp.org

दिनांक: 28 जुलाई 2012

(प्रेस विज्ञप्ति)

असम में हो रहे दंगों के लिये बांग्लादेशी घुसपैठ जिम्मेदार- अभाविप

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद असम के जिलों (चिरांग, कोकराझार, बक्सा, धुवरी, वांगईगांव) में हो रही हिंसा व राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के लिए बांग्लादेश घुसपैठियों को जिम्मेदार मानती है। इस क्षेत्र में वर्षों से बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठ कर जनजातीय लोगों की जमीन हड़पने, वहां के रोजगार पर कब्जा करने तथा कई तरह की राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में संलिप्त हैं। वर्तमान में चल रही हिंसा के प्रारम्भ व पूर्व में घटित घटनाओं को अगर देखें तो बांग्लादेशी घुसपैठी मुस्लिमों द्वारा इस क्षेत्र के मूल निवासी जनजातीय लोगों पर किये जाने वाले हमलों में लगातार वृद्धि हुई है। तथा जनजातीय लोगों की जमीनों पर कब्जे किये जाने व बढ़ती जिहादी गतिविधियों के कारण ही ऐसी परिस्थितियां निर्मित हुई हैं।

अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री श्री उमेश दत्त ने कहा की वर्तमान में केन्द्र सरकार व असम की राज्य सरकार इन घटनाओं के आंकड़ों को एकतरफा प्रस्तुत करने तथा एकतरफा कार्यवाही करने का काम कर रही है। विद्यार्थी परिषद का स्पष्ट मत है कि केन्द्र व राज्य सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों को वोट बैंक के रूप में उपयोग कर उनका तुष्टीकरण कर रही है। विद्यार्थी परिषद् वर्षों से केन्द्र सरकार को बांग्लोदशी घुसपैठ के बारे में पर्याप्त सबुतों के साथ सूचित करती रही है और लगातार आन्दोलनों के माध्यम से इस मुद्दे को उठाती रही है। 2008 में बांग्लादेशी सीमा पर स्थित किशनगंज में 40000 छात्रों के विराट प्रदर्शन करते हुए इस मुद्दे को उठाने का प्रयास विद्यार्थी परिषद् ने किया था। केन्द्र सरकार व माननीय न्यायालय ने भी बांग्लादेशी घुसपैठ को माना था एवं केन्द्र सरकार ने उस समय लगभग 03 करोड़ बांग्लादेशी अवैध रूप से भारत में होने की बात को स्वीकार किया था।

निरंतर.....02 पर.....

विद्यार्थी परिषद् का मानना है कि अभी असम में हिंसा प्रभावित क्षेत्र बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों के बाहुल्य का हो गया है जिन्हें बांग्लादेश से लगातार भारत विरोधी गतिविधियों के लिए सहायता तथा हथियार मिलते रहे हैं। विद्यार्थी परिषद् केन्द्र सरकार से मांग करती है कि बांग्लादेशी सीमा पर चौकसी बढ़ाई जाए तथा बांग्लादेशी सीमा पर पर्याप्त सेना तैनात की जाए। इसके साथ ही असम के मूलनिवासी जनजातीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए हिंसा प्रभावित क्षेत्र से बेघर व आहत हुए लोगों का पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए। साथ ही विद्यार्थी परिषद यह भी मांग करती है की भारत में राष्ट्र विरोधी गतिविधियाँ चलाने वाले बांग्लादेशी घुसपैठियों पर कड़ी कार्यवाही करते हुए इन्हें चिन्हित कर पुनः बांग्लादेश भेजा जाए।

(यह प्रेस विज्ञप्ति केन्द्रिय कार्यालय मंत्री सी. एम. धाकड़ द्वारा जारी की गई है।)